भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5579
दिनांक 26 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

कुपोषण के कारण मौतें

5579. श्री सी॰पी॰ जोशीः
श्रीमती जसकौर मीनाः
डॉ॰ जयसिद्धेश्वर शिवाचार्य स्वामीजीः

क्या महिला और बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देशभर में महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की व्यापकता का आकलन करने के लिए गत पांच वर्षों के दौरान विशेषकर राजस्थान की आदिवासी आबादी के सम्बन्ध में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कोई सर्वेक्षण किया गया है;
(ख) क्या सरकार कुपोषण के कारण बालमृत्यु के संबंध में कोई आंकड़ा रख रही है;
(ग) गत तीन वर्षों के दौरान देशभर में कुपोषित बच्चों की संख्या का विशेषकर महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के सम्बन्ध में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) गत तीन वर्षों के दौरान कुपोषण के कारण बच्चों की हुई मौतों की संख्या का राजस्थान सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार एवं जिले-वार ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या सरकार के पास ऐसी मौतों की निगरानी के लिए कोई तंत्र है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी — महिला एवं बाल विकास मंत्री

(क): देश में महिलाओं एवं बच्चों के पोषण संबंधी संकेतकों पर आंकड़े स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के तहत प्राप्त किए जाते हैं। एनएफएचएस-4 (2015-16) के अनुसार महिलाओं एवं बच्चों में कुपोषण की राज्यवार दर संलग्न है। इसके अलावा एनएफएचएस-4 के अनुसार 5 साल से कम आयु के 52.1 प्रतिशत बच्चे अल्पवजनी हैं, 49.3 प्रतिशत बच्चे ठिगने हैं और 31.3 प्रतिशत बच्चों का विकास अवरुद्ध है। इसके अलावा राजस्थान के आदिवासी समुदाय में 37.5 प्रतिशत महिलाएं (15-49 वर्ष) चिरकालिक ऊर्जा की कमी (18.5 से कम बीएमआई) से ग्रस्त हैं।

(ख): कुपोषण 5 साल से कम आयु के बच्चों में मृत्यु का कोई सीधा कारण नहीं है; तथापि इसकी वजह से संक्रमण के प्रति प्रतिरोधकता घट जाने से नश्वरता एवं रूग्णता में वृद्धि हो सकती है। सामान्य बच्चों की तुलना में कुपोषित बच्चों को किसी संक्रमण का खतरा अधिक होता है, इसलिए इस मंत्रालय द्वारा कुपोषण के कारण बच्चों की मृत्यु के संबंध में आंकड़े नहीं रखे जाते हैं। एनएफएचएस-4 के अनुसार समग्र बाल मृत्यु दर 9.4 है जो पिछले एनएफएचएस-3 के अनुसार 18.4 से घटी है।

(ग): स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-4 (2015-16) के अनुसार 5 साल से कम आयु के 35.7 प्रतिशत बच्चे अल्पवजनी हैं, 38.4 प्रतिशत बच्चे ठिगने हैं और 21 प्रतिशत बच्चों का विकास अवरूद्ध है। महाराष्ट्र सहित राज्यवार ब्यौरा संलग्न है। इसके अलावा एनएफएचएस-4 के अनुसार, महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में 5 साल से कम आयु के 34.6 प्रतिशत बच्चे अल्पवजनी हैं, 25.4 प्रतिशत बच्चे ठिगने हैं और 24.1 प्रतिशत बच्चों का विकास अवरुद्ध है।

(घ) और (ड़): जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, कुपोषण 5 साल से कम आयु के बच्चों में मृत्यु का कोई सीधा कारण नहीं है; तथापि इसकी वजह से संक्रमण के प्रति प्रतिरोधकता घट जाने से नश्वरता एवं रूग्णता में वृद्धि हो सकती है। सामान्य बच्चों की तुलना में कुपोषित बच्चों को किसी संक्रमण का खतरा अधिक होता है। तथापि बच्चों (0-6 वर्ष) में कुपोषण के स्तर की निगरानी के लिए हाल ही में पोषण अभियान शुरू किया गया है जिसके तहत आईसीडीएस-सीएएस मोबाइल आधारित सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के माध्यम से नियर रियल टाइम निगरानी की जाती है। आईसीडीएस-सीएएस एप्लीकेशन विकास चार्ट की ऑटोप्लाटिंग के आधार पर कुपोषित बच्चों की पहचान को संभव बनाता है। राष्ट्रीय, राज्य, जिला, ब्लॉक स्तर पर उपलब्ध ड्रिल डाउन डैशबोर्ड कुपोषण की समस्या की पहचान एवं निदान करने में योगदान देता है।

*****

अनुलग्नक

'कुपोषण के कारण मौतें' विषय पर श्री सी॰पी॰ जोशी, श्रीमती जसकौर मीना और डॉ॰ जयसिद्धेश्वर शिवाचार्य स्वामीजी द्वारा दिनांक 26 जुलाई, 2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 5579 के उत्तर में संदर्भित विवरण

एनएफएचएस 2015-16 के अनुसार महिला और बच्चों (5 वर्ष से कम) में अल्पवजन, ठिगनापन, दुर्बलता और रक्ताल्पता की व्याप्तता

क्र.सं.	राज्य		5 साल से कम आयु के बच्चे			महिलाएं (15-49 वर्ष)	
		अल्पवजनी (%)	ठिगनापन (%)	दुर्बलता	रक्ताल्पता (%)	गंभीर ऊर्जा की कमी (%)	रक्ताल्पता (%)
1	अंडमान और निकोबार द्वीप	21.6	23.3	18.9	49	13.1	65.7
2	आंध्र प्रदेश	31.9	31.4	17.2	58.6	17.6	60
3	अरुणाचल प्रदेश	19.5	29.4	17.3	50.7	8.5	40.3
4	असम	29.8	36.4	17	35.7	25.7	46
5	बिहार	43.9	48.3	20.8	63.5	30.4	60.3
6	चंडीगढ़	24.5	28.7	10.9	73.1	13.3	75.9
7	छत्तीसगढ़	37.7	37.6	23.1	41.6	26.7	47
8	दादर और नगर हवेली	38.9	41.7	15.9	84.6	28.5	79.5
9	दमन और दीव	26.7	23.4	27.6	73.8	12.9	58.9
10	दिल्ली	27	32.3	24.1	62.6	12.8	52.5
11	गोवा	23.8	20.1	21.9	48.3	14.7	31.3
12	गुजरात	39.3	38.5	26.4	62.6	27.2	54.9
13	हरियाणा	29.4	34	21.2	71.7	15.8	62.7
14	हिमाचल प्रदेश	21.2	26.3	13.7	53.7	16.2	53.4
15	जम्मू और कश्मीर	16.6	27.4	12.1	43.3	12.1	40.3
16	झारखंड	47.8	45.3	29	69.9	31.5	65.2
17	कर्नाटक	35.2	36.2	26.1	60.9	20.7	44.8
18	केरल	16.1	19.7	15.7	35.6	9.7	34.2
19	लक्षद्वीप	23.4	27	13.7	51.9	12.5	45.7
20	मध्य प्रदेश	42.8	42	25.8	68.9	28.3	52.5
21	महाराष्ट्र	36	34.4	25.6	53.8	23.5	48
22	मणिपुर	13.8	28.9	6.8	23.9	8.8	26.4
23	मेघालय	29	43.8	15.3	48	12.1	56.2
24	मिजोरम	11.9	28	6.1	17.7	8.3	22.5
25	नागालैंड	16.8	28.6	11.3	21.6	12.2	23.9
26	ओडिशा	34.4	34.1	20.4	44.6	26.4	51
27	पुद्दुचेरी	22	23.7	15.6	44.9	11.3	52.4
28	पंजाब	21.6	25.7	23.6	56.6	11.7	53.5
29	राजस्थान	36.7	39.1	23	60.3	27	46.8
30	सिक्किम	14.2	29.6	14.2	55.1	6.4	34.9
31	तमिलनाडु	23.8	27.1	19.7	50.7	14.6	55.1
32	तेलंगाना	28.5	28.1	18	60.7	23.1	56.7
33	त्रिपुरा	24.1	24.3	16.8	48.3	18.9	54.5
34	उत्तर प्रदेश	39.5	46.3	17.9	63.2	25.3	52.4
35	उत्तराखंड	26.6	33.5	19.5	59.8	18.4	45.2
36	पश्चिम बंगाल	31.5	32.5	20.3	54.2	21.3	62.5
	भारत	**35.7**	**38.4**	**21**	**58.4**	**22.9**	**53**